भजन

तर्ज...यारा जीने न देगी ये जुदाई

हो पिया
ऐसी है मेरी बेवफाई हो पिया याद न घर की आई
हो पिया
नजरों में तेरी थी समाई हो पिया इस्क की सुध बिसराई

1 भूल गई सारी बातें जो तुमने मुझको बतलाई
भूल गई सारे वादे जो थी मैं तुमसे कर आई
साथ भी छूटा प्यार भी टूटा मेरी श्यामा का लाड भी छूटा
हो पिया

2 सतगुरु बन आए तुम प्रीतम प्रेम बहारें फिर आई
कौल किए पूरे सब तुमने इत उत की सब सुध आई
यहाँ भी तुम हो वहाँ भी तुम मेरे इस्क की पहचान ही तुम हो
हो पिया

3 घड़ी जुदाई की फिर आई सहूँ ये कैसे समझ न आए
इश्क ईमान पे खड़ी रहूँ तो माया करतब दिखलाये
खांडे की है धार पे चलना कटना है पर नहीं है मरना

4 ओझल आंखों से होना था अपने में मुझे छुपा लेते
तेरे इस्क की पली हूँ मै तो खेल खत्म करवा देते
मूलमिलावे में उठ करके अपने इश्क में मस्त ही रहते